वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 178 | रविवार 23 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सरकारी विभागों में 1 लाख 10 हजार संविदाकर्मी नियमित होंगे

5 साल काम कर चुके संविदाकर्मियों को स्क्रीनिंग के बाद स्थायी किया जाएगा

जयपुर. कासं। सरकारी विभागों में काम कर रहे 1 लाख 10 हजार से ज्यादा संविदाकर्मियों को नियमित किया जाएगा। सभी संविदाकर्मियों को राजस्थान कॉन्ट्रैक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स, 2022 के दायरे में लिया जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को राज्य में राजस्थान कॉन्ट्रैक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स, 2022' लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ये नियम राज्य के सभी विभागों में काम कर रहे संविदाकर्मियों पर लागू होंगे। सीएम निवास पर हुई बैठक में यह फैसला किया है।

राजस्थान में 57 हजार करोड़ के रेल प्रोजेक्ट को मंजूरी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बोले-पीएम रेलवे में पूरी तरह बदलाव ला रहे

जयपुर. कासं

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि प्रधानमंत्री रेलवे में पूरी तरह से बदलाव ला रहे हैं। पहले किसी भी स्टेशन पर आप जाओ तो नाक बंद करना पड़ता था लेकिन अब आपको किसी भी स्टेशन पर काफी साफ-सफाई मिलेगी। आज राजस्थान में करीब 57,000 करोड़ रेलवे परियोजना को मंजूरी मिली है। वैष्णव रोजगार मेले में बोल रहे थे। इससे पहेल रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव शनिवार सुबह विशेष ट्रेन से जयपुर जंक्शन पहुंचे। जहां बीजेपी कार्यकताओं और रेलवे के आला अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान वैष्णव ने केंद्र सरकार की विभिन्न विभागों में नियुक्त हुए युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए। इसके बाद वैष्णव प्रधानमंत्री के वर्चुअल कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रेलवे ग्राउंड पहुंचे। जहां उनके साथ सांसद घनश्याम तिवाड़ी और डॉक्टर किरोडी लाल मीणा भी मौजूद। केंद्र सरकार ने विभागो में युवाओं को रोजगार देने के लिए विशेष रोजगार मेला की शुरूआत की है। जिसमें केंद्र सरकार के 38 मंत्रालयों और विभागों में भर्तियां की जायेगी। इनमें विभिन्न स्तरों ग्रुप-ए, ग्रुप-बी (राजपत्रित), ग्रुप-बी

(अराजपत्रित) और ग्रुप-सी पदों पर नियुक्तियां की जा रही हैं। जिनमें केंद्रीय सशस्त्र बल कार्मिक, उप निरीक्षक, कांस्टेबल, क्लर्क, स्टेनो, पीए, आयकर निरीक्षक, मल्टी टास्किंग स्टॉफ इत्यादि सम्मिलित हैं। ये भर्तियां मिशन मोड में मंत्रालयों और विभागों द्वारा स्वयं के स्तर पर, यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड जैसी एजेंसियों के माध्यम से की जा रही हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सुबह 6 बजे दिल्ली स्टेशन से विशेष ट्रेन से 9.30 बजे जयपुर स्टेशन पहुंचे। सफर के दौरान विशेष कोच से उन्होंने रेलवे के आला अधिकारियों के साथ जयपुर दिल्ली रेलवे ट्रैक का निरिक्षण किया। जयपुर जंक्शन पर 450 युवाओं को नियुक्ति पत्र देने के बाद वैषणव गणपति नगर स्थित क्रिकेट ग्राउंड पर पहुंचें।

शादी से 6 महीने पहले शहीद हुए उदयपुर के मेजर

हेलिकॉप्टर क्रैश से पहले की थी मंगेतर से बात, कहा था- कुछ देर बाद फिर कॉल करूंगा

जयपुर. कासं

अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले में मिलिट्री हेलिकॉप्टर क्रैश में उदयपुर के पायलट मेजर मुस्तफा जकीउद्दीन बोहरा (27) शहीद हो गए। मुस्तफा पिछले 9 सालों से आर्मी में थे। तीन साल पहले पायलट बने थे। उनका दो बार प्रमोशन भी हुआ था। शुक्रवार को मुस्तफा ने उड़ान भरने से पहले अपनी मंगेतर से बात की थी। उन्होंने कहा था कि कुछ देर बाद वे फिर कॉल करेंगे। मुस्तफा की 8 महीने पहले 11 जनवरी को सगाई हुई थी। अप्रैल में शादी होनी थी। मूल रूप से उदयपुर जिले के खेरोदा गांव के रहने वाले मुस्तफा के हेलिकॉप्टर क्रैश होने की जानकारी सबसे पहले उनकी मां और छोटी बहन को फोन पर मिली। इसके बाद उनकी मां सदमे में हैं। वे बार-बार बेसुध हो रही है। मुस्तफा के पिता जलीउद्दीन बोहरा कुवैत में प्रिन्टिंग से

जुड़ी जॉब करते हैं। दुखद सूचना मिलने के बाद वो भी इंडिया पहुंच चुके हैं। शनिवार दोपहर बाद वे अहमदाबाद से उदयपुर पहुंचे। आखिरी बार मुस्तफा की सगाई और परिवार में हुई एक शादी में वे उदयपुर आए थे। इसके बाद वे मुस्तफा से नहीं मिले। उनका परिवार पिछले 7 सालों से उदयपुर की अजंता गली में एक मकान में किराए पर रह रहा है। मुस्तफा की मां फातिमा बोहरा हाउस वाइफ हैं। छोटी बहन एलेफिया डेन्टिस्ट की पढ़ाई कर चुकी हैं। मुस्तफा के बड़े पापा आबिद अली ने बताया कि मुस्तफा बचपन से होनहार स्टूडेंट रहे थे। उन्हें किताबें पसंद थीं।

NDA के जरिए हुआ था सिलेक्शन

9 साल पहले **NDA** एग्जाम के जरिए मुस्तफा का सिलेक्शन हुआ था। इसके बाद उन्हें आर्मी में जॉइनिंग मिली थी। उन्हें आर्मी वर्दी से बहुत ज्यादा लगाव था। मुस्तफा अपनी बटालियन के साथ पहले जोधपुर में पोस्टेड थे। करीब 1 साल पहले उनकी बटालियन जोधपुर से शिफ्ट हुई थी। उनके साथ उदयपुरवाटी के रहने वाले को-पायलट रोहिताश्व भी मौजूद थे। जनवरी में ही मुस्तफा की सगाई हुई थी। मंगेतर पुणे में रहकर एमबीए कर रही हैं। उदयपुर के साइफन इलाके में उनका घर बन रहा है। खेरोदा गांव के उदय शिक्षा मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय से मुस्तफा की शुरुआती पढ़ाई हुई है। इसके बाद वे उदयपुर के सेंट पॉल स्कूल में पढ़े। कुछ समय पहले परिवार में हुई एक शादी में मुस्तफा खेरोदा गए थे।

NDA जाने की इच्छा उन्होंने सबसे पहले मां को बताई थी। मां ने भी तुरंत हां कर दिया। इसके बाद उन्होंने तैयारी की। रोजाना 10-11 घंटे पढ़ते थे। सेना में जाने का सपना उन्हें घंटों तक सोने नहीं देता था। वे जल्दी उठकर पढ़ाई करते।

॥श्री आदिनाथाय नमः॥

आचार्य श्री सुनील सागर वर्षायोग समिति– 2022 एवं
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर
के संयुक्त तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा
आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी के सानिध्य में
रिद्धि–सिद्धि मंत्रों से दीप प्रज्ज्वलन के साथ

भक्तामर पाठ 48 मण्डलों पर

शुक्रवार, दिनांक : 28 अक्टूबर 2022
समय : सायं 6.00 बजे से
स्थान : भट्टारक जी की नसियॉ, जयपुर

चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलनकर्ता

श्री शांति कुमार जी-ममता जी सोगानी
जापान वाले

जिनवाणी विराजमानकर्ता

श्रीमती बुलबुल कंवर पत्नी स्व.श्री नेमीचन्द जी गंगवाल
श्री राजेश जी-जैसा जी गंगवाल, श्री राकेश जी-रोशनी जी गंगवाल

मुख्य मण्डल दीप प्रज्ज्वलनकर्ता

श्रीमती प्रकाश देवी पत्नी स्व. श्री बृजमोहन जी जैन
श्री विनोद जी-शशि जी जैन तिजारिया

विशेष आकर्षण
प्रसिद्ध गायक
कवि हृदय पं. विकर्ष जैन
सलेहा सतना (म.प्र.)

गायक :
श्री अशोक गंगवाल
(साड़ीघर वाले)
श्रीमती समता गोदिका

संयोजक :-
मनीष- शोभना लोंग्या
राजेश-रानी पाटनी

निवेदक

आचार्य श्री सुनील सागर वर्षायोग समिति- 2022
(अन्तर्गत- श्री दिगम्बर जैनमुनि संघ प्रबन्ध समिति, पार्श्वनाथ भवन, नाटाणियों का रास्ता, जयपुर)

अध्यक्ष देवप्रकाश खण्डाका
मुख्य संयोजक रूपेन्द्र छाबड़ा, राजेश गंगवाल
मुख्य समन्वयक राजीव जैन (गाजियाबाद वाले)
कोषाध्यक्ष मुकेश जैन
प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल
मंत्री ओमप्रकाश काला (मामाजी)

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर

अध्यक्ष राजेश बड़जात्या
संस्थापक अध्यक्ष अनिल कुमार जैन, IPS
निवर्तमान अध्यक्ष यश कमल अजमेरा
कोषाध्यक्ष पारस कुमार जैन
महासचिव निर्मल संघी
पूर्व अध्यक्ष अतुल बिलाला
वरिष्ठ परामर्शक महेन्द्र कुमार पाटनी
परामर्शक सुरेन्द्र कुमार पाण्डया
परामर्शक व प्रभारी नवीन सेन जैन

सकल दिगम्बर जैन समाज, जयपुर

आयोजक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका
परामर्शक दिनेश-संगीता गंगवाल
वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष-शोभना लोंग्या
कोषाध्यक्ष अनिल-अनिता जैन
सचिव अनिल-प्रेमा रांवका
उपाध्यक्ष सुनील-सुनीता गोदिका
उपाध्यक्ष महेन्द्र-सुनीता कासलीवाल
संयुक्त सचिव राकेश-रेणु संघी
संयुक्त सचिव राजेश-रितु छाबड़ा
सांस्कृतिक सचिव कमल-मंजू ठोलिया

कार्यकारिणी सदस्य- अनिल-निशा संघी, प्रदीप-प्राची जैन, राजेश-रानी पाटनी, डॉ. अनामिका-चेतन पापड़ीवाल, कुसुम-राजेन्द्र जैन
विशेष आमंत्रित सदस्य अशोक सेठी

अग्रवाल डायमंड शोरूम पर दिवाली के त्योहार को देखते हुए

सर्टिफाइड रियल डायमंड ज्वेलरी की खरीद पर सोने का सिक्का बिल्कुल मुफ्त

प्रत्येक आभूषणों की खरीद पर एक निश्चित एवं शानदार उपहार पाएं

कोटा. शाबाश इंडिया

चौपाटी बाजार स्थित अग्रवाल डायमंड एंड गोल्ड शोरूम पर दिवाली के उपलक्ष में हॉलमार्क गोल्ड की प्रत्येक खरीद पर शानदार एवं प्रीमियम रेंज का उपहार गिफ्ट में दिया जा रहा है, एवं सर्टिफाइड वास्तविक हीरे की ज्वेलरी खरीद पर सोने का सिक्का मुफ्त दिया जा रहा है। जानकारी देते हुए अग्रवाल डायमंड की संचालिका माधुरी जैन सर्राफ ने बताया कि हाडोती के ग्राहकों द्वारा पिछले 30 वर्ष में बहुत अच्छा समर्थन दिया है, तथा अग्रवाल डायमंड ने समय-समय पर हॉलमार्क गोल्ड ज्वेलरी डायमंड ज्वेलरी की लेटेस्ट डिजाइन को ग्राहकों के समक्ष प्रदर्शित किया है। पिछले दिनों मुंबई में अग्रवाल डायमंड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर ओम जैन सर्राफ एवं माधुरी जैन सर्राफ दोनों को हाड़ोती में रियल डायमंड एक्सपर्ट होने का खिताब प्राप्त हुआ है। अग्रवाल डायमंड एंड ज्वेलर्स शोरूम पर अत्याधुनिक एवं ट्रेडिशनल, पारंपरिक आभूषणों की श्रंखला में डायमंड सॉलिटेयर इयरिंग रिंग व प्लेटिनम ज्वैलरी मे कपल लव बैंड्स, इयररिंग्स, पेंडेंट,प्लेटिनम चेन्स , की नई व लेटेस्ट डिजाइंस प्रदर्शित की गई है। शोरूम पर इस बार अनकट डायमंड पोल्की ज्वेलरी का बेहतरीन एवं नया कलेक्शन देखने को मिल रहा है,जिसमें हेवी एवं लाइट पेंडेंट सेट, ब्रेसलेट, नेकलेस, हेवी एवं लाइट पेंडेंट, आदि ज्वेलरी लेटेस्ट एवं आधुनिक, एवं पारंपरिक डिजाइनों में उपलब्ध है। जीआइए सर्टिफाइड लूज सौलिटयर्स में डेढ़ केरेट,एक कैरेट,पचहत्तर सेंट, पचास सैंट, पच्चीस सेंट, आदि का स्टॉक, एवं अंगूठियों एवं ईयररिंग्स में जड़े हुए सर्टिफाइड सॉलिटेयर भी उपलब्ध है। अग्रवाल डायमंड की संचालिका माधुरी जैन सर्राफ ने बताया की कामकाजी महिलाओं के लिए समय समय पर देश के हर कोने से नई नई जवेलरी की आकर्षक डिजाइन उपलब्ध करवाते हैं । फैशन के इस दौर में हमारे शोरूम के द्वारा ग्राहकों की रुचि के अनुसार डायमंड और गोल्ड आभूषणों में बदलाव आता रहता हैं जिससे संग्रह प्रतिदिन नया नया मिलता है। शोरूम पर अत्याधुनिक डायमंड सोलिटेयर जो सर्टिफाइड रहता है की लाजवाब डिजाइंस प्रदर्शित की गई है। चूड़ियां' पेंडेंट सेट, नेकलेस सेट, का नायाब संग्रह उपलब्ध है। शोरूम पर प्रत्येक ज्वैलरी की खरीद पर एक निश्चित उपहार भी दिया जा रहा है। शोरूम पर टेम्पटेशन लेडीज सेविंग स्कीम क्लब के माध्यम से मात्र 5 हजार रुपये में 50 हजार की जवेलरी ली जा सकती है, क्लब की सदस्यता पाने के लिए शोरूम पर संपर्क किया जा सकता है। एक्सचेंज योजना के तहत अपनी पुराने सोने की ज्वेलरी को सौ प्रतिशत में एक्सचेंज करवाकर जीरो प्रतिशत कटौती पर नई जवेलरी ली जा सकती है।

एक्यूप्रेशर सेवा समिति द्वारा धन्वन्तरि पूजन व सम्मान समारोह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रतिवर्ष की भांति ही इस वर्ष भी एक्यूप्रेशर सेवा समिति द्वारा भगवान धन्वंतरि की पूजा, धनवंतरी त्रयोदशी के रूप में दिनांक 21 अक्टूबर को शाम 4:00 बजे पिंक सिटी प्रेस क्लब में कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में पूर्व डी आर एम, अरिमर्दन सिंह, अभय कुमार आईएएस एवं एसीएस गृह विभाग गणेश गुप्ता न्यायाधीश, आयुर्वेद विभाग के विशेष अधिकारी डॉ. गिरधर गोपाल शर्मा , अतिरिक्त निदेशक डा जितेंद्र कोठारी एवं एक्युप्रेशर सेवा समिति के संरक्षक के सी जैन , अध्यक्ष डॉ. पीयूष त्रिवेदी, सचिव डॉ शिल्पा त्रिवेदी, कोषाध्यक्ष प्रोफेसर अंशुल शर्मा एवं सदस्य गण मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में एक्यूप्रेशर सेवा समिति को सेवाऐं प्रदान करने वाले 15 श्रेष्ठ चिकित्सक, विद्वान, सहयोगियों एवं सदस्यों का इस अवसर पर सम्मान किया गया। इस अवसर पर आयुर्वेद एवं मर्म चिकित्सा पर विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ, एक्यूप्रेशर सेवा समिति के सभी सदस्य एवं भामाशाहों को कार्यक्रम में विभिन्न कार्य व्यवस्थाओं हेतु विशेष निर्देश प्रदान किये गए।

पिछले 25 वर्षों से एक्यूप्रेशर सेवा समिति और पिंक सिटी प्रेस आयुर्वेद संस्थान मिलकर निशक्तजनों के लिए विभिन्न जगहों पर शिविरों के आयोजन करती आ रही है, जिसकी रूपरेखा बनाई जानें के साथ ही एक्यूप्रेशर सेवा समिति का विशेष डिजिटल ऐप का विमोचन हुआ, जिससे जुड़कर प्रदेश के अधिकाधिक लोग चिकित्सा एवं दवा के बिना खर्च के अपने घर में ही स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे। एक्यूप्रेशर सेवा समिति द्वारा योग विज्ञान विषय पर प्रकाशित पुस्तक का विमोचन इस आयोजन में किया गया,इस पुस्तक को पढ़कर योग और आयुर्वेद के विद्यार्थी नवीनतम ज्ञान का लाभ ले सकेंगे। सभी को आयुर्वेद के प्रवर्तक भगवान धन्वन्तरि जयंति के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं।

वेद ज्ञान

आत्मज्ञान की अनुभूति आवश्यक

जिसने अपने अस्तित्व, स्वाभिमान व देश की सुरक्षा को भुला दिया, उसे प्रकृति ने हमेशा सजा दी है। हम जब भी प्रकृतिमय होकर अपनी अस्मिता के लिए, अपने आनंद के लिए, अपनी मर्यादा की सुरक्षा के लिए आगे बढ़े हैं, प्रकृति हमारा स्वागत करती है। फूल खिलकर हमारा स्वागत करते हैं। नदियां कल-कल कर बहती हैं और हमें सुख प्रदान करती हैं। यह जंगल, यह हरियाली हमें आनंद प्रदान करते हैं। यह सब प्रकृति हैं। यही प्रकृति आपके अंदर भी है। आप साधारण मानव नहीं हैं। आप मनु की संतान हैं जिन्होंने नए ढंग से इस मानव जाति की रचना की है। आप कश्यप अदिति की संतान हैं। आप ब्रह्मा के पुत्र हैं। आपके इष्ट मर्यादा पुरुषोत्तम राम हैं। आपके अंदर देवता भी है और दानव भी है। यदि आप देवता बनना चाहते हो, तो अंतस की यात्रा करो। बाहरी जगत तो आपके जीने की व्यवस्था है। बाहर का जगत आपके साथ नहीं जाएगा। आप अपने जीवन की यात्रा कर रहे हो। इस यात्रा पर आप आज से नहीं, लाखों-करोड़ों वर्षों से चले आ रहे हो। अनेक जन्मों के फल के रूप में आपने यह जन्म पाया है। हम सब कर्म कर रहे हैं। हम सब मानव हैं, लेकिन हमने तपस्या करके अपने अंतस के सत्य को जाना है। यह मैंने अनुभव किया है। चाहे कोई भी हो, स्त्री हो या पुरुष वह आत्मज्ञान का अहसास कर सकता है। ऋषियों-मुनियोंने परमात्मा को पाने के लिए कठिन परिश्रम किया है। वैज्ञानिकों ने खोज करके पृथ्वी के उपजाऊ तत्वों को हमारे लिए उपयोगी बनाया है। हमें सिविलाइज्ड बनाया है। अंधेरों को दूर किया है। आवागमन के साधनों को सुलभ करवाया है। मनुष्य को सुसंस्कृत बनाया है। यह सब मनुष्य का विज्ञान है। यह ऋषियों-मुनियों का विज्ञान नहीं है। उन्होंने परमात्मा की अनुभूति करने के लिए अंतस के विज्ञान की खोज की है। मुनियों का विज्ञान अपने अस्तित्व की खोज का विज्ञान है। एक धर्म का विज्ञान हुआ और एक भौतिक विज्ञान हुआ। दोनों ने कितनी कठिन तपस्या की है आप मनुष्य होकर डर गए। आप दोनों को उपलब्ध नहीं हुए। आपने अपने जीवन का सदुपयोग नहीं किया, क्योंकि आपने अपने को नहीं जाना।

संपादकीय

चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया रुपया

भारतीय रुपया एक बार फिर डालर के मुकाबले गिर कर चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया। रुपया लगातार नीचे की तरफ रुख किए हुए है, इसलिए इसे लेकर अर्थव्यवस्था में सुधार की संभावनाएं धुंधली होने लगी हैं। जब भी किसी मुद्रा में लगातार गिरावट का रुख बना रहता है, तो वहां मंदी की संभावना प्रबल होने लगती है। एक डालर की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तिरासी रुपए एक पैसा आंकी गई। हालांकि सरकार को उम्मीद है कि यह दौर जल्दी ही खत्म हो जाएगा और भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में पहुंच जाएगी। शायद इसी विश्वास के चलते वित्त मंत्री ने भी कह दिया कि रुपए की कीमत नहीं गिर रही, डालर मजबूत हो रहा है। रुपए की कमजोरी की बड़ी वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को बताया जा रहा है। मगर केवल इन्हीं दो स्थितियों को रुपए के कमजोर होने का कारण नहीं माना जा सकता। किसी भी मुद्रा में गिरावट तब

आनी शुरू होती है जब घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सिकुड़न आने लगती है यानी खरीदारी कम होने लगती है। लोगों की क्रयशक्ति घटने लगती है और लोग निवेश को लेकर हाथ रोक देते हैं। पूरी दुनिया में अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही है। विकसित देशों में भी खुदरा और थोक महंगाई चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। इसका असर यह हुआ है कि उत्पादन घट रहा है। भारत में भी औद्योगिक उत्पादन का रुख नीचे की तरफ बना हुआ है। घरेलू बाजार में ही खपत ठहर गई है। विदेशी बाजारों में महंगाई बढ़ी होने की वजह से भारतीय वस्तुओं की पहुंच संतोषजनक नहीं हो पा रही। निर्यात के मामले में पहले ही लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाबी नहीं मिल पा रही थी, कोरोनाकाल के बाद स्थिति और खराब हुई है। निर्यात घटने से विदेशी मुद्रा भंडार में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हो पाती। फिर जब रुपए की कीमत गिरती है, तो बाहर से मंगाई जाने वाली वस्तुओं पर अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। इस तरह विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार कमी आती जाती है। भारत डीजल और पेट्रोल के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर है, इसलिए उसे अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। फिर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतें संतुलित नहीं हो पा रही हैं और उसका असर न सिर्फ माल ढुलाई और परिवहन पर पड़ता है, बल्कि औद्योगिक उत्पादन में भी लागत बढ़ जाती है। इस तरह एक ऐसा चक्र बनता है, जिसे सुधारने के लिए बुनियादी स्तर से काम करना जरूरी होता है। रुपए की गिरती कीमत और बढ़ती महंगाई का सीधा असर रोजगार सृजन पर पड़ता है। उत्पादन घटता है, तो औद्योगिक इकाइयों की कमाई भी घट जाती है, जिसके चलते उन्हें अपने खर्च में कटौती करनी पड़ती है। स्वाभाविक ही वे छंटनी का फैसला करती हैं। रिजर्व बैंक रेपो दर में बढ़ोतरी कर महंगाई पर काबू पाने का प्रयास कर रहा है, मगर इसका भी औद्योगिक इकाइयों पर प्रतिकूल असर पड़ता है, क्योंकि उन्हें अपने कर्ज पर अधिक ब्याज चुकाना पड़ता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

चीनी अड़ंगा

चीन ने एक बार फिर लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकी को वैश्विक आतंकी सूची में डालने में बाधा पैदा की है। भारत और अमेरिका ने पाकिस्तान स्थित लश्कर के आतंकी शाहिद महमूद को वैश्विक आतंकी सूची में डालने का संयुक्त राष्ट्र के सामने प्रस्ताव रखा था, मगर चीन ने उसमें अड़ंगा डाल दिया। अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने शाहिद महमूद और लश्कर के एक और आतंकी मोहम्मद सरवर को लश्कर-ए-तैयबा के लिए धन जुटाने और नेटवर्क स्थापित करने के आरोप में प्रतिबंधित कर दिया था। अब शाहिद को वैश्विक आतंकवादियों की सूची में डालने का प्रस्ताव रखा गया था। मगर जैसा कि चीन सदा से पाकिस्तान के प्रति मोह के चलते करता आया है, उसने इस प्रस्ताव पर विरोध जाहिर कर दिया। संयुक्त राष्ट्र के नियमों के मुताबिक अगर उसका एक भी सदस्य किसी मसले पर विरोध जताता है, तो उस पर सहमति नहीं मानी जाती। इससे पहले भी पाकिस्तान में पनाह पाए कई आतंकियों को वैश्विक सूची में डालने के प्रस्ताव पर चीन अपनी असहमति जाहिर कर चुका है। इससे साफ है कि वह पाकिस्तान में पनप रहे आतंकवाद को आतंकवाद नहीं मानता। ऐसा नहीं कि केवल भारत आतंकवाद से जूझ रहा है, दुनिया के तमाम देशों में इसके जख्म हैं। इसीलिए अंतरराष्ट्रीय बिरादरी ने दुनिया भर से आतंकवाद खत्म करने के लिए हाथ मिलाया था। चीन भी उनमें शामिल है। यों संयुक्त राष्ट्र का मकसद ही है अपने सदस्य देशों में युद्ध रोकना, आतंकवाद जैसी समस्याओं को समाप्त कर शांति की स्थापना करना। मगर चीन को जब भी अपने स्वार्थ नजर आते हैं, वह इन बुनियादी सिद्धांतों और सरोकारों से मुंह मोड़ लेता है। वह इस बात से अनजान नहीं माना जा सकता कि पाकिस्तान में आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर चलते हैं। इसके अनेक पुख्ता प्रमाण हैं। मुंबई हमले से जुड़े ढेरों दस्तावेज अंतरराष्ट्रीय मंचों के सामने हैं, फिर भी जब उसके सरगना को वैश्विक आतंकी सूची में डालने का प्रस्ताव रखा गया, तो चीन ने उसके विरुद्ध मतदान किया। चीन के इस रुख पर दुनिया भर में हैरानी प्रकट की जाती रही है और आलोचना भी होती है कि इस तरह वह वैश्विक आतंकवाद से लड़ने में कैसा सहयोग कर रहा है। मगर खासकर पाकिस्तान में जड़ें जमाए आतंकवादी संगठनों के प्रति उसका रुख नरम ही देखा जाता है। दरअसल, पाकिस्तान के जरिए चीन भारत पर दबाव बनाए रखना चाहता है। हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बनाए रख कर वह भारत पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाए रखने का प्रयास करता है। ऐसा उसे पाकिस्तान को अपने पाले में रख कर ही कर पाना संभव है। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, इसलिए चीन ने उसकी काफी वित्तीय मदद की है, जिसके बदले उसने पाकिस्तान में कई सामरिक परियोजनाएं भी शुरू की हैं। यही रणनीति उसने श्रीलंका में अपना रखी है। नेपाल को भी उसने अपने पाले में खींचने की भरपूर कोशिश की थी। इस तरह वह भारत को चारों ओर से घेरने की कोशिश करता रहा है। ऐसे में अगर वह पाकिस्तान में रह रहे आतंकियों को वैश्विक आतंकवादी सूची में शामिल करने पर सहमति जताएगा, तो उसका समीकरण गड़बड़ हो सकता है। पाकिस्तान में पल रहा आतंकवाद एक तरह से चीन की रणनीति के अनुकूल है। मगर वह शायद इस बात को भूल जाता है कि इसी तरह कभी अमेरिका ने भी पाकिस्तान में आतंकवाद को पोसा था, जो अब उस पर भारी पड़ रहा है।

दांता रोड पर स्थित जैन गोकुल धाम गौशाला का किया शिलान्यास

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन गोकुल धाम गौशाला का विधिवत रूप से शिलान्यास किया गया। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि 108 श्री भूतबलि सागर, मुनि सागर, मोन सागर, मुक्ति सागर महाराज की जीव दया व गौशाला के प्रति पावन प्रेरणा से प्रभावित होकर त्रिलोक चंद जैन, दिनेश कुमार जैन, पारस जैन, जीवन जैन निवासी नयापुरा पिड़ावा ने अपनी निजी 5 बिघा जमीन दांता रोड़ पर गौशाला के लिए दान देकर महान पूण्य का काम किया। जैन गोकुल गौशाला का कार्य जोर शोर प्रगति की और अग्रसर है। मुनि भूत बलि सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में 27 अक्टुबर को विधिवत रूप से गौशाला प्रारंभ की जायेगी। गौशाला को भूत बलि सागर महाराज ससंघ ने जैन गोकुल धाम गौशाला का नाम देकर शिलान्यास किया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान रामलाल चौहान ने महाराज जी से मंगलमय आशीर्वाद लेकर गौशाला के लिए अपनी और से 21 हजार रुपए दान राशि की घोषणा करते हुए तन, मन, धन से सहयोग करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर जैन गोकुल धाम गौशाला अध्यक्ष राजेंद्र जैन, कार्य कारी अध्यक्ष राजेंद्र जैन बना, कोषाध्यक्ष अशोक जैन, महावीर जैन, त्रिलोक सेठ, त्रिलोक सिंह जैन, कारूसेठ, संजय गुड्डा, मुकेश चेलावत, भारत भूषण प्रेमी, नरेंद्र सेक्रेटरी, अंकुश जैन, देवीलाल गुजर आदि उपस्थित रहे।

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट ने 'संवारे बचपन' योजना के माध्यम से दिवाली के उपलक्ष्य में 'लक्ष्मी गिफ्ट पैक' वितरित किये

जयपुर। ''कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट'' 'संवारे बचपन' योजना के माध्यम से दिवाली के उपलक्ष्य में 22 अक्टूबर को निराश्रित, अनाथ, व जरुरतमंद बालिकाओं को खुशियां बांटने के लिए 'लक्ष्मी गिफ्ट पैक' बांटें गये। गिफ्ट में नये कपड़े, मिठाइयां, दीपक, छोटे-छोटे पटाखे, लक्ष्मी जी का पाना व स्टेशनरी शामिल की गई। जैसा की सभी जानते हैं, बेटियां लक्ष्मी माँ का ही रूप होती है। दिवाली पर जो खुशी इस 'लक्ष्मी गिफ्ट पैक' मिलने पर इन बेटियों के चेहरे पर देखने को मिली वो अद्भुत थी। दानदाताओं द्वारा दिये गये सहयोग से ही यह सब हो पाया, उसका श्रेय आप को भी जाता है। आप की छोटी सी राशि ने इन बेटियों के दामन को खुशियां से भर दिया। बेटियों ने आप को दुआएं दी। आप के घर में लक्ष्मी जी का वास हो, आप सदा सुखी रहें। इस 'लक्ष्मी गिफ्ट पैक' के सहयोग के लिए संस्था आपका धन्यवाद व साधुवाद करतीं हैं आप को व आप के परिवार को दिवाली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

लिनेस क्लब जयपुर मैन एवं सशक्तिकरण ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में धनतेरस पर बच्चों को मिठाई व कपड़े वितरित किए

जयपुर. शाबाश इंडिया

लिनेस क्लब जयपुर मैन एवम सशक्तिकरण ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में धनतेरस की उपलक्ष में आज कई स्थानों पर कच्ची बस्ती में सांस्कृतिक, शिक्षा एवं मनोरंजन के कार्यक्रम कच्ची बस्ती मे रहने वाले बच्चों के साथ दीपावली त्यौहार की खुशियां बांटने का प्रयास किया। इन बच्चों ने मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन कर पारितोषिक वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवीन भंडारी, विजिया कोठारी आदि अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं आसपास की कॉलोनी की ढल्ल नागरिकों ने इस कार्यक्रम मे उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी का बहुत-बहुत स्वागत किया कार्यक्रम में नवीन भंडारी ने अपने उद्बोधन में गौमाता को निर्भर नहीं आत्मनिर्भर बनाने की उद्देश से लोगों को जन जागृति दी और प्लास्टिक मुक्त भारत

बनाने के लिए बच्चों को और उनके परिवारजनों को संकल्प कराया और उनकी वैकल्पिक वस्थाओं के लिए कपड़े के थैले बनाने के लिए व्यवस्था की भी जानकारी दी गई और सभी को संकल्प कराया कि हम भारत को प्लास्टिक मुक्त कराएंगे तत्पश्चात सभी बच्चों को प्रोत्साहन स्वरुप व्यंजन फटाके वितरित किया है। वहां की लोकल नागरिकों ने इन गरीब बच्चों के पालन पोषण अच्छे तरीके से हो सके उसके लिए उनके पेरेंट्स को स्वयं की एवं परिवार की आजीविका चलाने के लिए उनकी योग्यता के अनुसार कार्य करने के लिए उनको जागृत किया तथा यथा संभव उनके साथ सभी प्रयास करने के लिए तत्पर रहने का आश्वासन दिया तथा साथ में सिलाई के लिए कपड़े देकर उनसे थैले बनाकर उनकी आजीविका को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया। इस कार्यक्रम में मेहंदी लगवाने का प्रतियोगिता की गई जिसमें सभी प्रतियोगी को सांत्वना पुरस्कार स्वरूप प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात वहां पर पधारे हुए सभी बच्चों को दिवाली की शुभ अवसर पर मिठाइयों फटाके का वितरण करते हुए कार्यक्रम को अति हर्षोल्लास के साथ बनाया गया क्लब के मेंबर्स और अनुज श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया।

शालिभद्र ने बांटे उपहार, छा गया भक्ति का रंग

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

साकार हुआ परमात्मा महावीर के दिव्य समोवसरण का नजारा

पूज्य समकितमुनिजी म.सा. के सानिध्य में समोवसरण ध्यान एवं शालिभद्र जाप का आयोजन

भीलवाड़ा। जिनशासन के आराध्य परमात्मा भगवान महावीर के दिव्य अंतिम समोवसरण का साक्षात नजारा आंखों के सामने लग रहा था। भक्ति का रंग छाया हुआ था, अपलक निहारे जा रहे थे। वहां संत, श्रावक, देवता सभी मौजूद थे। देवराज इन्द्र के आदेश पर देवताओं द्वारा तैयार किए गए समोवसरण में तीनों लोकों की समृद्धि एकसाथ नजर आ रही थी। आसमान से आभूषण, वस्त्र व मिठाईयों से भरी पेटियां उतारी जा रही थी। ये पेटियां शालिभद्र द्वारा मां भद्रा के सानिध्य में वितरित की जा रही थी। शहर के शांतिभवन में शनिवार को आचार्य सम्राट देवेन्द्रमुनिजी म.सा. की जयंति एवं धनतेरस के अवसर पर आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि पूज्य समकितमुनिजी म.सा. के सानिध्य में समोवसरण ध्यान एवं शालिभद्र जाप के आयोजन ने भक्ति का ऐसा रंग जमाया कि 2549 वर्ष पूर्व राजगिरी नगरी में परमात्मा महावीर महावीर के दिव्य समोवसरण में शामिल होने जैसी अनुभूति हो रही थी। सैकड़ो श्रावक-श्राविकाएं इस दिव्य आयोजन में सहभागी बनने के लिए शांतिभवन में उमड़े तो विशाल प्रवचन हॉल भी छोटा नजर आया। इस आयोजन के तहत शालिभद्र एवं परिवारजनों के हाथों उपहारों की 33 पेटियां लक्की ड्रॉ विजेताओं को दी गई। इनमें से किसी पेट में स्वर्ण, रजत के आभूषण तो किसी में वस्त्र और किसी में मिठाईयां थी। भव्य एवं गरिमापूर्ण इस आयोजन के लाभार्थी कोठारी परिवार के शौर्य कोठारी ने शालिभद्र एवं अनिता कोठारी ने माता भद्रा की भूमिका निभाई। शालिभद्र के सहायक की भूमिका जैनिथ कोठारी ने निभाई। उपहारों की पेटियां प्रदान करने वालों में लाभार्थी परिवार के नरेन्द्र कोठारी, चंदा कोठारी व अन्य परिवारजन भी शामिल थे। पूज्य समकितमुनिजी ने समोवसरण ध्यान के माध्यम से ऐसी अनुभूति करने का अहसास कराया मानो हम स्वयं परमात्मा महावीर के उस समोवसरण में शामिल हो रहे हो। उन्होंने कहा कि 24 तीर्थंकर के कुल 64 समोवसरण लगे थे इनमें से पहले तीर्थंकर आदिनाथ भगवान के 12 एवं अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर के आठ समोवसरण लगे थे। शेष 22 तीर्थंकर के 2-2 समोवसरण लगे थे। इन समोवसरण की रचना हर समय नहीं विशेष अवसरो पर ही की जाती थी। समोवसरण का अभिप्राय वह स्थान जहां किसी तरह का वैर-विरोध या दुश्मनी नहीं होती और सिंह व गाय भी एक साथ बैठ सकते है। समोवसरण की रचना इन्द्र की आज्ञा से देवता करते है लेकिन इनमें पुण्य तीर्थंकर का कार्य करता है। तीर्थंकर की गैर मौजूदगी में देवता चाहकर भी समोवसरण नहीं बना सकते है। लक्की ड्रॉ के माध्यम से उपहारों की पेटियां वितरित करने से पहले पूज्य समकितमुनिजी ने शालिभद्र जाप भी कराया। उन्होंने कहा कि शालिभद्र जब तक संसार में रहे राजसी जीवन मनोयोग से जीया लेकिन जब साधना मार्ग पर आगे बढ़े तो अपना जीवन इस तरह बदल लिया कि भिक्षा लेने माता भद्रा के आंगन में पहुंचे तो वह भी उनको नहीं पहचान पाई। जो कभी अपना परिचय नहीं देता और किसी तरह का दिखावा नहीं करता वह शालिभद्र है। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा का कोठारी परिवार भी ऐसा ही शालिभद्र परिवार है। बहुत कम को जो समृद्धि नसीब होती वह शालिभद्र को प्राप्त थी। धर्मसभा में प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. एवं गायनकुशल जयवंतमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। अतिथियों का स्वागत शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ ने किया। धर्मसभा का संचालन शांतिभवन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने किया।

पेटियां उतरने के साथ दिए उत्तराध्ययन के 31वें अध्याय के 33 संदेश

धर्मसभा में समोवसरण ध्यान एवं शालिभद्र जाप आयोजन के साथ पूज्य समकितमुनिजी ने परमात्मा भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना "आपकी बात आपके साथ" के 24 वें दिन आगम के 36 अध्यायों में से 31 वें अध्ययन चरण विधि का वाचन करने के साथ इसके बारे में समझाया। उन्होंने कहा कि इसमें 33 बातों का जिक्र किया गया है जिनके बारे में उन्होंने समोवसरण में 33 पेटियां उतरने के साथ किया। हर एक पेटी के साथ एक बात का जिक्र किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसा सोचे कि पेटियों की तरह मेरे कर्मो का बोझ भी उतर जाए। महसूस किया जाए कि आत्मा के नजदीक पहुंच रहा हूं। कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है। जो खोने के लिए तैयार रहता उसे ही आगे जाने पर कुछ मिलेगा। ये संकल्प लेना चाहिए कि मेरे जीवन में किसी की असाधना नहीं हो ओर संतों को देख सब रोना भूल जाए। संगम से शालिभद्र बन जाए ऐसे भाव जीवन में आए। आगम आराधना के तहत लक्की ड्रॉ के माध्यम से भाग्यशाली श्रावक-श्राविकाओं को प्रभावना में चांदी के सिक्के लाभार्थी परिवारों द्वारा प्रदान किए गए।

महावीर निर्वाण कल्याणक महोत्सव पर सामूहिक तेला तप आराधना शुरू

तीन दिवसीय भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में तेला तप आराधना भी शनिवार से शुरू हो गई। पूज्य समकितमुनिजी ने पहले दिन कई श्रावक-श्राविकाओं को उपहास का प्रत्याख्यान कराया। आयबिंल व एकासन तप के प्रत्याख्यान भी कई श्रावकों ने लिए। निर्वाण कल्याणक महोत्सव अवधि में धर्मसभा सुबह 8.40 बजे से शुरू होगी। तीन दिवसीय भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक महोत्सव पूर्ण होने के बाद 25 अक्टूबर को गौतम स्वामी कैवल्य ज्ञान दिवस मनाया जाएगा। सुबह 7 से 8 बजे तक शांतिभवन में होने वाले इस कार्यक्रम में तीन दिवसीय तप एवं मौन साधना के बाद पूज्य समकितमुनिजी म.सा. द्वारा श्रावक-श्राविकाओं को महामांगलिक प्रदान किया जाएगा। श्रावक-श्राविकाओं को खीर का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

पंडित टोडरमल स्मारक भवन में मंगलवार 25 अक्टूबर को मनाया जाएगा वीर निर्वाण महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी का 2449 वां निर्वाण महोत्सव जयपुर के बापू नगर में स्थित ज्ञान तीर्थ पंडित टोडरमल स्मारक भवन में मंगलवार दिनांक 25 अक्टूबर को बहुत धूमधाम से मनाया जाएगा। पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार गोदिका ने बताया कि स्मारक भवन स्थित पंचतीर्थ जिनालय में भगवान महावीर स्वामी की निर्वाण स्थली पांवापुरी जी रचना पर भगवान महावीर स्वामी की भव्य प्रतिमा के समक्ष मंगलवार को प्रातः 7 बजे से श्री जिनेन्द्र प्रक्षाल एवं पूजा के पश्चात प्रातः 8.-15 भगवान महावीर का निर्वाण श्रीफल (लाडू) चढ़ाया जायेगा। 8.30 पर सीमंधर जिनालय में हीरा चन्द बैद के निर्देशन में निर्वाण लाडू चढ़ाया जायेगा तत्पश्चात अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तार्किक विद्वान डा.हुकम चन्द भारिल्ल का दीपावली पर विशेष व्याख्यान होगा। हीरा चन्द बैद ने बताया कि मंगलवार को ही सांय 7 बजे से पंचतीर्थ जिनालय पर आध्यात्मिक भक्ति का विशेष कार्यक्रमों होगा।

उदयपुर में शनिवार को धनतेरस के साथ ही पांच दिवसीय दीपोत्सव की शुरुआत हो गई। शहर और उपनगरीय इलाके में गली मोहल्ले और मुख्य बाजार सज संवरकर तैयार हो गए।

बाज़ार में पटाखों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ देखी गई।

रूप चौदस के लिए सजती संवरती

धन तेरस पर बाजारों में खूब बरसा धन...

दो साल बाद फिर से नजर आई त्योहारी रौनक

उदयपुर. शाबाश इंडिया

पांच दिवसीय दीपोत्सव की शुरूआत शनिवार को धन तेरस से हुई। ज्योतिष की गणना के मुताबिक शाम 6 बजे से अगले दिन यानी रविवार शाम 6 बजे तक धन तेरस के खास मौके पर त्रिपुष्कर और सर्वार्थ सिद्धि योग के चलते बाजार खरीदारों से गुलजार रहेंगे। इसी कारण गुरूवार की शाम मुख्य बाजार में ज्वैलरी शॉप और बर्तन सहित लोगों ने जरूरत मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, रेडीमेड गारमेंट, पटाखों और वाहनों की जमकर खरीदारी की। शाम ढलने के साथ ही मुख्य बाजार सहित उपनगरीय क्षेत्र में दीपोत्सव पर सजाए गए गली मोहल्ले और प्रतिष्ठानों पर भी लकदक रोशनी देखी गई। पांच दिवसीय दीपोत्सव के लिए शहर में देसी विदेशी पर्यटकों की रेलमपेल भी बढ़ गई। खासकर गुजरात से घूमने और श्रीनाथ जी के दर्शनों के लिए आए पर्यटकों के कारण शहर और आसपास की होटल और रिजॉर्ट में बुकिंग फुल है। गौरतलब है कि रविवार को नरक चतुर्दशी या रूप चौदस होने से लेकसिटी के कई पार्लर्स में भीड़ से बचने के लिए एक दिन पहले ही महिलाओं और युवतियों ने साज श्रृंगार किया। स्वतंत्र मेकअप आर्टिस्ट कविता कुमावत ने बताया कि पिछले दो साल कोरोना के बाद इस बार आम गृहिणियों में खासा उत्साह देखा जा सकता है। इसीलिए उनके पास काफी समय पहले से मेकअप की एडवांस बुकिंग हो चुकी थी। इधर, शहर और आसपास क्षेत्र के पूजा स्थलों पर त्योहार के कारण श्रद्धालुओं की कतारें लगी देखी गई। लेकसिटी में भटियानी चौहट्टा स्थित महालक्ष्मी मंदिर में शनिवार सुबह 4 बजे ही माता लक्ष्मी की चांदी की प्रतिमा को पंचामृत स्नान के बाद लाल साड़ी का श्रृंगार धराया गया। जहां बाद में दिन भर दर्शनार्थियों की भीड़ देखी गई।

रिपोर्ट एवम फोटो:
राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल 9829050939

पुस्तकालय संघ राजस्थान ने जारी की नए जिलाध्यक्ष की सूची

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

जयपुर। पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उन्नति एवं विकास के उद्देश्य से पुस्तकालय संघ राजस्थान ने देर रात 8 जिलों के जिलाध्यक्ष मनोनीत किये गए। संघ के प्रदेशाध्यक्ष कमल कनावरिया ने बताया कि संगठन ने युवाओं को हमेशा तहजीब दी हैं, आजकल देश के युवा राजनीति हो या अन्य जगह अपने प्रतिभा स्थापित कर चुके है इसी के मध्यनजर आज आठ जिलों के जिलाध्यक्ष नियुक्त किये हैं। भरतपुर से मालीराम यादव, चित्तौड़गढ़ हरमन सिंह, गंगानगर विशाल कुमावत, हनुमानगढ़-गुरजीत सिंह, बांरा-विशाल चौधरी, सीकर-जितेंद्र कुमावत, धौलपुर कमलेश शर्मा, सिरोही-महिपाल सिंह को संगठन ने जिलाध्यक्ष नियुक्त किये गए हैं। इस मौके पर महामंत्री निर्मल सिंह, उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह, नारायण सिंह मियाकोर, अभिषेक शर्मा, जितेंद्र चौधरी, डॉ हरीराम विश्नोई, अनिल चौधरी, मीडिया प्रभारी राकेश चौहान ने सभी को शुभकामनाएं दी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी का सानिध्य

पद्मप्रभ भगवान के जन्म व तप कल्याणक दिवस पर पदमपुरा में होंगे विभिन्न आयोजन

पदमपुरा. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा, जयपुर में श्री 1008 पद्मप्रभ भगवान का जन्म व तप कल्याणक परम पूज्य गणिनी आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी के पावन सान्निध्य में रविवार दिनाँक 23 अक्टूबर 2022 को अत्यधिक भव्यता के साथ मनाया जाएगा। अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन एवं मानद् मंत्री एडवोकेट हेमन्त सोगानी ने बताया कि इस पर्व पर प्रातः कालीन अभिषेक , शांतिधारा के पश्चात श्री पद्मप्रभ भगवान की 48 दीपकों द्वारा दीपार्चना होगी । दोपहर 12:00 बजे से भव्य पद्मप्रभ मंडल विधान पूजा का आयोजन किया जाएगा। प्रचार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा 'ने बताया कि शाम को भगवान पद्मप्रभ की महाआरती के पश्चात 7:00 बजे से पद्मप्रभ चालीसा का पाठ 40 बार किया जाएगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित रहेंगे। **विभिन्न दिगम्बर जैन मंदिरों में होंगे विशेष आयोजनः** राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के मुताबिक जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान पदमप्रभू का जन्म व तप कल्याणक रविवार ,23 अक्टूबर को जैन धर्मावलंबियों द्वारा भक्ति भाव से मनाया जाएगा। इस मौके पर प्रातः भगवान पदमप्रभू के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की जाएगी। पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ जन्म व तप कल्याणक अर्घ्य चढ़ाया जाएगा। महाआरती के बाद समापन होगा। चाकसू के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कोट में आचार्य शशांक सागर महाराज के सानिध्य में, कोटखावदा के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बडा बास में अध्यक्ष महावीर गंगवाल एवं मंत्री दीपक वैद के नेतृत्व में भगवान पद्मप्रभु की खड्गासन प्रतिमा के अभिषेक, शांति धारा के बाद पूजा अर्चना की जाएगी। बापू गांव के श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार, काशीपुरा, निमोडिया के दिगम्बर जैन मन्दिरों में भगवान का जन्म व तप कल्याणक दिवस भक्ति भाव से मनाया जाएगा।

नेट-थियेट पर सजा सुरीला गुलदस्ता

डॉ. पूजा ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज सारेगामा फेम एवं वॉइसऑफ राजस्थान डॉ. पूजा राठौड़ ने अपने मधुर कण्ठ से जब भजन एवं गजल की प्रस्तुति दी तो दर्शक रामोंचित हो उठे। नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि डा. पूजा ने गोपाल सिंह राठौड़ द्वारा रचित मीरा बाई का भजन **''म्हारे घर आओ प्रीतम प्यारा''** सुनाया तो दर्शक भक्तिमय हो गये। इसके बाद उन्होंने दादू दयाल का भजन राग भूपाली में **''तू सांचा साहिब मेरा कर्म करीम कृपाल में निहारो''** और मोमीन खां की गजल **''वो जो हममें तुममे करार था''** फिर हसरत जयपुरी की गजल सुनाकर कार्यक्रम को परवान चढाया और अंत में राजस्थानी गीत 'दळ बादळी रो पाणी सैयां कुण तो भरे' सुनाकर कार्यक्रम को विराम दिया।

जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति ने वृद्धाश्रम मे दिपावली स्नेह मिलन समारोह मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति की कार्यकारिणी की सदस्यों ने समिति द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में रहने वाले सदस्यों के साथ दिपावली स्नेह मिलन समारोह मनाया। कार्यक्रम का आयोजन नीरा लुहाड़िया, सुधा जैन ने भव्य रूप से किया। इस अवसर पर सुधा शाह एवं शुभम पायल कासलीवाल ने वृद्धाश्रम में रहने वाले को नये वस्त्र भेट किये तथा आरती सोनी ने हाऊजी आदि विभिन्न खेल खिलाये। समिति अध्यक्ष शीला जैन तथा मंत्री पुष्पा सोगानी ने सबका आभार व्यक्त किया।

जयपुर-दिल्ली का लग्जरी सफर हुआ सस्ता

जयपुर. कासं। जयपुर से दिल्ली के बीच सफर करने वाले यात्रियों अच्छी खबर है। राजस्थान रोडवेज ने अपनी सुपर लग्जरी बसों के किराये में इस रूट पर कमी की है। करीब 4 महीने पहले ही रोडवेज ने इस बस के किराये में बढ़ोतरी की थी, लेकिन अब वापस किराया कम किया है। हालांकि ये किराया जयपुर-दिल्ली के बीच संचालित डबल डेकर ट्रेन के किराये से 300 रुपए ज्यादा है। रोडवेज अधिकारियों ने बताया कि जयपुर-दिल्ली रूट पर अभी वोल्वो बस में 900 रुपए प्रति व्यक्ति किराया लगता है, जिसमें 150 रुपए की कमी करके 750 रुपए कर दिए है। ये किराया 1 नवंबर मध्य रात्री से लागू होगा। इससे पहले जुलाई में किराया 200 रुपए बढ़ाया था। तब रोडवेज प्रशासन का तर्क था कि पिछले 3-4 महीने से डीजल की कीमतों में इजाफा होने के बाद रोडवेज की संचालन कॉस्ट दिल्ली रूट पर ज्यादा आने लगी।

जनकपुरी ज्योति नगर जैन मन्दिर में भगवान महावीर का निर्वाणोत्सव 25 अक्टूबर को मनाया जाएगा

आर्यिका श्री 105 संगीतमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में होगा भव्य समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योति नगर जैन मन्दिर में वर्तमान शासन नायक श्री 1008 भगवान महावीर का निर्वाणोत्सव, आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज की सुयोग्य शिष्या आर्यिका श्री 105 संगीत मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में श्रद्धा व भक्ति भाव से मंगलवार को मनाया जाएगा। मन्दिर समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की जैन धर्म के चोबीसवे तीर्थंकर भगवान महावीर को पालकी से लाकर पांडाल में पाण्डु शिला पर विराजित किया जाएगा जहाँ अभिषेक ,विश्व शांति हेतु बीजाक्षर युक्त वृहत शान्तिधारा की जाएगी। आर्यिका संगीत मति माताजी के श्री मुख से ही इसके बाद भगवान महावीर की साज बाज के साथ संगीत मय पूजन कर निर्वाण काण्ड वाचन के बाद समाज द्वारा निर्वाण लाडु चढ़ाया जाएगा । चोबीसवे तीर्थंकर के लिए मुख्य लाडु के अलावा चोबीस परिवारों द्वारा चोबीस विशेष लाडु चढ़ाए जाएंगे साथ ही इस 2549 वे निर्वाणोत्सव के सुअवसर पर 49 दीपक से विशेष महा आरती का आयोजन होगा।

महावीर निर्वाण दिवस है दीपावली: मुनि कमलकुमार

शाबाश इंडिया। भगवान महावीर ने कार्तिक कृष्णा अमावस्या में निर्वाण प्राप्त किया। तब से उस उत्सव को जैन लोग दीपावली पर्व के रूप में मनाते आ रहे हैं। जैन धर्म मे तीर्थंकरों के पांच कल्याणक माने गए हैं। च्यवन, जन्म, दीक्षा, केवल ज्ञान और निर्वाण इन पांचों समय मे देवता उत्सव मनाते हैं। देवताओं ने रत्नों की वर्षा करके उस अमस्या की अंधेरी रात को पूर्णिमा से ज्यादा जगा दिया था। पावापुरी के लोगो ने उस समय घर घर घी के दीपक जलाए जिससे अंधेरे से राहत पाई जाए। क्योंकि उस समय बिजली का प्रकाश नही था चारो और अंधेरा छाया हुआ था। भगवान के दर्शन करने लोगों का आना प्रारम्भ हो गया। अंधेरे में कोई दुर्घटना न घट जाए इस लिए लोगों ने घी के दिए जला कर प्रकाश किया। उस समय राजपथ सड़कों का अभाव था इसलिए प्रकाश के लिए दीपक जलाए गए। क्योंकि में दीक्षित हुआ उस समय भी गांवों में अधिकतर लालटेन मोमबती का प्रकाश देखने मे आता था। अब समय बदल गया है। वैज्ञानिक युग मे शहरों में ही नही गांवों में भी लालटेन मोमबत्तियों की जगह बिजली का प्रकाश नजर आता हैं। इसलिए दीपावली पर्व पर अनर्थ हिंसा से बचने के लिए दीपक मोमबत्तियों को जलाने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए दीपावली पर अनर्थ हिंसा से बचने के लिए दीपक मोमबत्तियों को जलाने की आवश्यकता नही हैं। दीपक जलाने से तेजसकाय, वायुकाय जीवों की तो हिंसा होती ही हैं। दीपक में तो कई मच्छर भी गिरते हैं। जिससे ट्रसकाय जीवों की भी हिंसा हो सकती हैं। हम जैन हैं हमें हिंसा से अहिंसा के पथ को, असंयम से संयम को अपनाना चाहिए तभी हम अनंत संसारी से परत संसारी बन सकते हैं। दीपावली पर्व पर तेला या उपवास बेला कर जाप ध्यान स्वाध्याय पौषध आदि कर हम अपनी आत्मा का उत्थान कर सकते हैं। पटाखों का प्रचलन प्रदूषण और अपव्यय बढ़ाने वाला है जिससे कई बार जनहानि का प्रसंग भी देखने में आता हैं। हम अपने विवेक का परिचय देते हुए अहिंसा, संयम तप बढ़े ऐसा प्रयास करना चाहिए जिससे भगवान का निर्वाण दिवस दीपावली पर कर्मों की निर्जरा हो सकें और जीवन मे उन्नति हो।

वीर निर्वाण सम्वत 2549 का होगा शुभारंभ

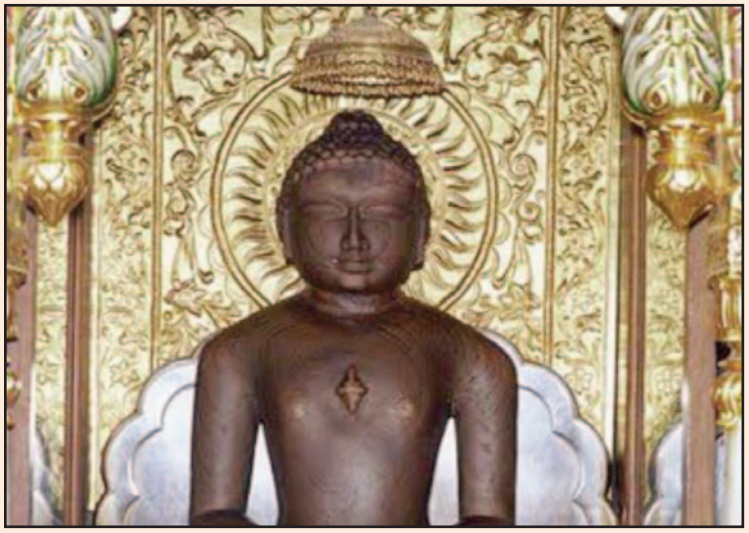

जैन संतों के चातुर्मास का होगा निष्ठापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्मावलम्बीयों का नया साल वीर निर्वाण सम्वत् 2549 का कार्तिक कृष्णा अमावस्या,25 अक्टूबर को शुभारंभ होगा। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि इसी दिन दिगम्बर जैन आचार्यों,मुनि, आर्यिकाओं, क्षुल्लक, क्षुल्लिकाओं के चातुर्मास का निष्ठापन एवं वषायोग का समापन होगा। इसी दिन सायंकाल भगवान महावीर के प्रथम गणधर गौतम स्वामी का केवल ज्ञान दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर की साधु संतों द्वारा संयम का उपकरण पिच्छिका परिवर्तन भी किया जाएगा।